सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 30 SEPTEMBER TO 06 OCTOBER 2022 • VOLUME-11 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

किरण चाहे सूर्य की हो या फिर आशा की जीवन के सभी अंधकार मिटा देती है।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

36वें नेशनल गेम्स का शुभारंभ

मोदी बोले- युवाओं के लिये नए लांचिंग पैड का काम करेगा

अहमदाबाद. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने गुजरात दौरे के दौरान गुरूवार को 36वें नेशनल गेम्स का शुभारंभ किया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में प्रधानमंत्री ने राष्ट्र भक्ति गीतों के बीच पुरे स्टेडियम का मुआयना किया। इस अवसर पर शंकर महादेवन जैसे कलाकार ने अपनी प्रस्तुति भी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन भी किया। नरेंद्र मोदी स्टेडियम पूरी तरीके से खचाखच भरा हुआ था। इस दौरान नीरज चोपड़ा भी मौजूद रहे जिन्होंने ओलंपिक में भारत का नाम रोशन किया था। आपको बता दें कि देश के 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश के सात हजार से ज्यादा खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।

मोदी ने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा स्टेडियम और देश का सबसे बड़ा खेल उत्सव, जब आयोजन इतना अद्भुत और अद्वितीय हो, तो उसकी ऊर्जा ऐसी ही असाधारण होगी। दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम सबसे कम उम्र की आबादी वाले देश के लिए सबसे बड़े खेल आयोजन की मेजबानी कर रहा है। मोदी ने कहा कि खेल के मैदान में खिलाड़ियों की जीत और उनका दमदार प्रदर्शन, अन्य क्षेत्रों में देश की जीत का भी रास्ता बनाता है। स्पोर्ट्स की सॉफ्ट पावर, देश की पहचान और देश की छवि को कई गुना ज्यादा बेहतर बना देती है। राष्ट्रीय खेलों का मंच युवाओं के लिये नया लांचिंग पैड का काम करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फुटबाल, हॉकी, बास्केटबॉल, कबड्डी, बॉक्सिंग और लॉन टेनिस जैसे अनेकों खेलों की सुविधा एक साथ उपलब्ध है। ये एक तरह से पूरे देश के लिए एक मॉडल है। मोदी ने कहा कि हमने स्पोर्ट्स स्पिरिट के साथ स्पोर्ट्स के लिए काम किया। टीओपीएस जैसी योजनाओं के जरिए वर्षों तक मिशन मोड में तैयारी की। आज बड़े-बड़े खिलाड़ियों की सफलता से लेकर नए खिलाड़ियों के भविष्य निर्माण तक, टीओपीएस एक बड़ी भूमिका निभा रहा है।

इस दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात पीएम मोदी के नेतृत्व में नीति-संचालित राज्य बन गया। उनके द्वारा राज्य की खेल नीति की शुरुआत की गई थी। बड़ौदा में एक विश्व स्तरीय खेल विश्वविद्यालय का विकास पूरा होने के करीब है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह 36वां राष्ट्रीय खेल उत्सव कभी भी न भूल पाने वाले खेल उत्सवों में से एक होगा।

अस्पताल में फर्श पर डिलीवरी की घटना ने किया शर्मसार, अश्वनी शर्मा ने कहा- इस्तीफा दे स्वास्थ्य मंत्री

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पठानकोट सिविल अस्पताल में रात को डिलीवरी के लिए आई महिला को इमरजेंसी में तैनात स्टाफ द्वारा बिना चेकअप के रेफर किए जाने के बाद महिला ने अस्पताल के बरामदे में ही बच्चे को जन्म दिए जाने की घटना ने इंसानियत को शर्मसार किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाज़रा को खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि आप सरकार में इंसानियत और शर्म दोनों ही मर चुके हैं। इस सारे प्रकरण को लेकर भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा जिलाध्यक्ष विजय शर्मा की अध्यक्षता में पीड़ित परिवार के हक़ में पंजाब सरकार तथा अस्पताल प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी करते हुए पुतला फूंक कर प्रदर्शन किया गया।

अश्वनी शर्मा ने कहा कि इस सारे प्रकरण के जिम्मेवार मुख्यमंत्री भगवंत तथा उनके स्वास्थ्य मंत्री जौड़ामाजरा हैं। स्वास्थ्य मंत्री को इस घटनाक्रम की जिम्मेवारी लेते हुए अपने पद से तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

गुरलाल बराड़ की हत्या करने वाला बंबीहा गैंग का मुख्य शूटर गिरफ्तार

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब पुलिस ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देशों पर गैंगस्टरों के विरुद्ध शुरु की जंग में बड़ी सफलता हासिल करते हुये जम्मू से दविंदर बंबीहा गैंग के वांछित शूटर नीरज चसका को सौपू (ऐसओपीयू) के प्रधान गुरलाल बराड़ के सनसनीखेज़ कत्ल समेत कई कत्लों में शामिल होने के दोष के तहत गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी डीजीपी गौरव यादव ने दी। गुरलाल बराड़, जो कैनेडा आधारित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ का नज़दीकी रिश्तेदार था, के कत्ल के कारण दविंदर बंबीहा गैंग और लारेंस बिशनोई गैंग के दरमियान आपसी दुश्मनी शुरू हो गई थी, जिसके नतीजे के तौर पर पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) दिल्ली में कत्ल की चरणबद्ध ढंग से घटनाएँ घटीं। गुरलाल बराड़ की अक्तूबर 2020 में चंडीगढ़ में एक नाइट क्लब के बाहर गोली मार कर हत्या कर दी गई थी।

गिरफ्तार किया गया गैंगस्टर नीरज उर्फ चसका फरीदकोट के जैतो का रहने वाला है और बम्बीहा गैंग का मुख्य शूटर है, जो विदेश में रहते वांटेड गैंगस्टर गौरव उर्फ लक्की पटिआल के इशारे पर काम कर रहा है। सितम्बर 2016 में गैंगस्टर दविन्दर बंबीहा को पंजाब पुलिस की तरफ से मारे जाने के बाद पटिआल बम्बीहा गैंग का मुख्य हैंडलर है। नीरज 2019 से फ़रार था। पुलिस ने उसके कब्ज़े में से .30 बोर और .32 बोर के दो विदेशी पिस्तौलें समेत 17 जिंदा कारतूस भी बरामद किये हैं।

पीएफआई पर अब डिजिटल स्ट्राइक

नई दिल्ली. आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकवादी संगठन के साथ कथित 'संबंधों' और देश में साम्प्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश करने को लेकर सरकार द्वारा 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' को पांच साल के लिए प्रतिबंधित किए जाने के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को उसका ट्विटर खाता बंद कर दिया गया। ट्विटर पेज पर एक संदेश में कहा गया, 'खाता बंद कर दिया गया है। पीएफआई के खाते को कानूनी मांग पर भारत में बंद कर दिया गया है।'

पीएफआई पर देश के साम्प्रदायिक और धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को ''बिगाड़ने' और अपनी कट्टरपंथी विचारधारा को आगे बढ़ाने एवं हिंदू कार्यकर्ताओं को लक्ष्य बनाकर उनकी कथित रूप से हत्या करने के अलावा भारत में राजनीतिक इस्लाम की स्थापना का आह्वान करके राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए 'गंभीर खतरा' पैदा करने का आरोप लगाया गया है। गृह मंत्रालय ने आरोप लगाया कि पीएफआई आतंकवाद आधारित एक प्रतिगामी शासन को प्रोत्साहित कर रहा है और उसे लागू करने की कोशिश कर रहा है, वह देश विरोधी भावनाओं का प्रचार करता है और देश के खिलाफ नाराजगी पैदा करने के लिए समाज के एक विशेष वर्ग को कट्टरपंथी बना रहा है और ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है जो देश की अखंडता, सुरक्षा एवं संप्रभुता के लिए हानिकारक हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को मिली जेड प्लस सिक्योरिटी

मुंबई. रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की सिक्योरिटी को सरकार ने अपग्रेड करने का फैसला किया है। गृह मंत्रालय ने मुकेश अंबानी की सुरक्षा को जेड से बढ़ाकर जेड प्लस करने का फैसला किया है। गृह मंत्रालय को मुकेश अंबानी की सुरक्षा पर खतरे को लेकर इंटेलीजेंस इनपुट मिला था जिसके बाद मंत्रालय ने सिक्योरिटी कवर को अपग्रेड कर दिया है।

मुकेश अंबानी को अब जेड प्लस सिक्योरिटी कवर दे दिया गया है तो अब उनकी सुरक्षा में 58 कमांडो तैनात होंगे और सुरक्षा पर आने वाले पूरा खर्च उन्हें ही वहन करना होगा। दरअसल बीते साल मुंबई में उनके घर एंटिला

पर बम की धमकी के बाद से ही गृह मंत्रालय में उनकी सुरक्षा बढ़ाने को लेकर मंथन चल रहा था। फरवरी 2021 में 20 जिलेटिन छड़ी से लैस स्कार्पियो गाड़ी एंटिला की नजदीक खड़ी पाई गई थी जिसके बाद एनआईए ने इसकी जांच की थी।

क्या ट्रांसपोर्ट मंत्री भी ट्रांसपोर्ट माफिया के साथ लिप्त है ?

पिछले 6 महीने से ट्रांसपोर्ट मंत्री द्वारा चुप्पी, दाल में कुछ काला लगता है, जांच का विषय

• जालंधर ब्रीज. विशेष रिपोर्टर

पंजाब में पिछले 6 महीनों में आम आदमी पार्टी की सरकार रोड सेफ्टी के नियमों को ज़मीनी स्तर पर लागू करवाने में विफल साबित हुई है और इस बात का पुख्ता प्रमाण हर रोज राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर धड़ल्ले से चल रहे ओवरलोडेड वाहन खुलेआम दे रहे हैं।

एक तरफ सरकार लोगों को विदेशों में जाने से रोकने के लिए रोजगार देने की बात कर रही है परन्तु लोग सड़क दुर्घटनाओं में जा रही बहुमूल्य जानों को लेकर अपने परिवार के प्रति चिंतित नज़र आ रहे हैं। सत्ता पर काबिज रही पिछली सरकारें भी ट्रांसपोर्ट माफिया पर नकेल कसने में असफल रही थी। जिस कारण पंजाब के लोगों ने आम आदमी पार्टी को 92 सीटों से जितवाकर उनकी सरकार बनवाई थी। परन्तु इस सरकार में कार्य कर रहे ट्रांसपोर्ट मंत्री भी माफियों पर कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। जिसका मुख्य कारण कई रसूखदार लोग और पुलिस प्रशासन से जुड़े अधिकारियों की इन्वेस्टमेंट इस बिज़नेस में है। इस विभाग में कार्य कर रहे कर्मचारी अपने आकाओं को कोसते नज़र आते हैं और उनके द्वारा कहा जाता है कि वह जब भी किसी ओवरलोडेड वाहन के ऊपर कार्रवाई करते हैं तो उन्हें किसी राजनीतिक या उच्च अधिकारी का फ़ोन आ जाता है।

ट्रांसपोर्ट विभाग

जिक्रयोग्य है कि पिछली सरकारों में कहा जाता था कि अधिकारियों को ऊपर तक पैसे पहुंचाने के लिए इन माफियाओं से महीने लेने पड़ते थे लेकिन अब तो सरकार में मुख्यमंत्री और मंत्री अक्सर कहते रहते है कि ट्रांसफर, पोस्टिंग में अब किसी भी तरह का पैसा नहीं लगता फिर क्या कारण है कि ट्रांसपोर्ट मंत्री सख्त नियम होने के बावजूद भी लोगों को मौत के मुँह में धकेल रहे हैं।

गौरतलब है कि ट्रांसपोर्ट मंत्री की एक वीडियो भी वायरल हुई थी जिसमें उन्होंने ट्रैफिक नियमों को तोड़कर सुरक्षा कर्मियों की जान को खतरे में डाला था। क्यों मंत्री और अधिकारी इस बात को भूल रहे हैं कि वह और उनका परिवार भी इन्हीं सड़कों पर चलता है और जब साथ चलते ओवरलोडेड वाहन किसी भी गाड़ी के ऊपर गिरते हैं तो उन्हें कोई उनके साथ चल रहा गनमैन या अन्य व्यक्ति भी नहीं बचा सकता।

अगर मंत्री ही नियम तोड़ेंगे तो लोग इसकी पालना कैसे करेंगे।

अब आने वाले दिनों में देखना होगा कि ट्रांसपोर्ट मंत्री इन माफियों पर कैसे नकेल कसते हैं या सरकार में कार्य कर रहे किसी मंत्री और उनके अधिकारी के साथ हादसा होने के बाद हरकत में आएंगे।

घुमावदार रास्तों और हॉन्टेड डेस्टिनेशन के नाम से मशहूर है काशीदी घाट

अगर आप किसी अलग जगह को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो काशीदी घाट में घूम सकते हैं लेकिन यहां आने से पहले आपको कुछ बातें जरूर जान लेनी चाहिए, जिससे कि आप परेशानी से बचे रहें।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

जब भी घूमने की बात होती है, तो ज्यादातर लोग पहाड़ों पर जाना ही पसंद करते हैं। हिमाचल, उत्तराखंड के हिल स्टेशन्स पर हर मौसम में भीड़ देखने को मिलती है। ऐसे में अगर आप किसी अलग जगह को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो काशीदी घाट में घूम सकते हैं। काशीदी घाट मुंबई-गोवा-कोच्चि राष्ट्रीय राजमार्ग या राष्ट्रीय राजमार्ग 66 (एनएच 66) पर स्थित एक पहाड़ी डेस्टिनेशन है। यहां आप अपनी गाड़ी लेकर तभी जा सकते हैं, अगर आपको अपनी ड्राविंग स्किल पर पूरा-पूरा भरोसा है क्योंकि यहां के रास्ते बहुत घुमावदार हैं।

हॉरर डेस्टिनेशन भी कहा जाता है

इस जगह को कुछ लोग हॉन्टेड भी मानते हैं। कहानियों पर विश्वास करें, तो उनके मुताबिक रास्ते में कई बार अनजान लोग दिखाई देते हैं। वहीं, कुछ गाड़ियां नजर आती हैं और फिर अचानक ही गायब हो जाती हैं। खैर, काशी घाट की डरावनी कहानी यहीं तक सीमित नहीं है। यह भी माना जाता है कि पूरा हाइवे यानी मुंबई से गोवा हाईवे एक डरावना हाइवे है।

क्या देखें

आपको अगर एडवेंचर डेस्टिनेशन्स पर घूमना पसंद है, तो काशीदी घाट आपके लिए अच्छी जगह है। यहां पर आपको कई अनजाने रास्तों और पेड़-पौधों के अलावा कई नई चीजें एक्सप्लोर करने का मौका मिलेगा लेकिन यहां जाने से पहले एक बार फिर से ड्राइविंग स्किल पर

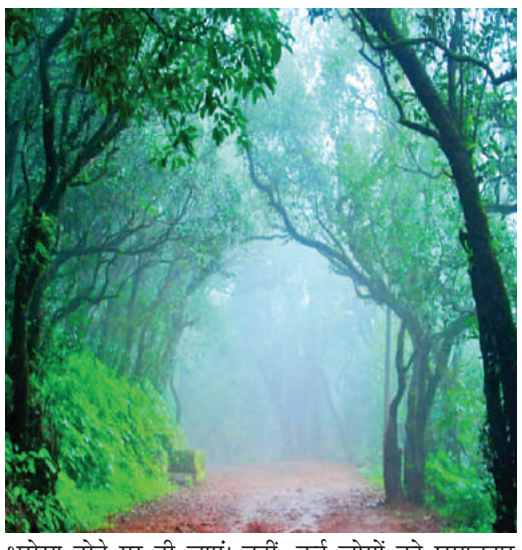

भरोसा होने पर ही जाएं। वहीं, कई लोगों को घुमावदार रास्तों पर मोशन सिकनेस की प्रॉब्लम भी हो सकती है इसलिए जाने से पहले इन बातों का ध्यान रखें।

कैसे पहुंचे काशीदी घाट

काशीदी घाट (7.2 किमी) के लिए निकटतम हवाई अड्डा पुणे (पीएनक्यू) है। हालांकि आप मुंबई (बीओएम) से काशीदी घाट के लिए वडाला रोड, पनवेल और करंजडी होते हुए लगभग 5 घंटे 43 मीटर में ट्रेन ले सकते हैं।

FASSION+

तमन्ना भाटिया की ग्रैफिटी प्रिंटेड ड्रेस कीमत और बेसिक स्टाइलिंग टिप्स

तमन्ना ने हाल ही में एक स्टाइलिश ड्रेस में फोटोज शेयर की है। इन फोटोज में तमन्ना ने ग्रैफिटी-प्रिंटेड ड्रेस पहनी हुई है। आइए, जानते हैं इसकी कीमत...

तमन्ना भाटिया अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कई खूबसूरत फोटो शेयर करती हैं। तमन्ना एथनिक और वेस्टर्न दोनों तरह के आउटफिट्स में बेहद खूबसूरत नजर आती हैं। तमन्ना ने हाल ही में एक स्टाइलिश ड्रेस में फोटोज शेयर की है। इन फोटोज में तमन्ना ने ग्रैफिटी-प्रिंटेड ड्रेस पहनी हुई है। इसमें तमन्ना का एलिगेंट लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

तमन्ना का एलिगेंट लुक

तमन्ना ने स्काय ब्लू कलर कीफुल-स्लीव, बॉडीकॉन ड्रेस पहनी है। जिसमें टर्टलनेक और एक ओपन बैक भी थी। इस सेक्सी ड्रेस को ग्रैफिटी प्रिंट में डिजाइन किया गया है। एक्सेसरीज की बात करें, तो इस ड्रेस के साथ तमन्ना ने स्टनिंग येलो चंकी इयररिंग्स को स्टाइल किया है। मेसी पॉनीटेल के साथ तमन्ना ने अपने मेकअप को ऑन-पॉइंट रखा है। ग्रैफिटी प्रिंट की बात करें, तो ऐसी ड्रेस पॉप्युलर हो रही हैं। लीक से हटकर अगर आप दुनिया को डिफरेंट मैसेज देना चाहते हैं, तो आपके वार्डरोब में इस प्रिंट की ड्रेस तो होनी ही चाहिए।

ग्रैफिटी प्रिंट के साथ बेसिक स्टाइलिंग टिप्स-

- इस प्रिंट की ड्रेस को फ्यूजन लुक से जोड़कर देखा जाता है इसलिए इसके साथ कभी भी ओवर मेकअप न करें।
- ग्रैफिटी प्रिंट को पूरी तरह से हाइलाइट करने के लिए हैवी जूलरी भी कैरी न करें।
- कैजुअल मौकों पर यह ड्रेस काफी अच्छी लगती है। इसके ऊपर कोई सिम्पल जैकेट या श्रग भी पहन सकते हैं।

क्या है इस ड्रेस की कीमत

आप चाहें तो इस कूल पीस को अपने वॉर्डरोब में भी शामिल कर सकते हैं। इस हैंडमेड ग्रैफिटी ड्रेस ह्यूमन लेबल की है, जो इसकी ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है और इसकी कीमत 47,500 रुपए है।

नवरात्रि में बनाकर खाएं चटपटी साबूदाना टिक्की, टेस्ट के साथ हेल्दी भी

साबूदाना न सिर्फ खाने में टेस्टी और हेल्दी होता है बल्कि यह पचने में हल्का भी होता है। तो आइए देर किस बात की जान लेते हैं कैसे बनाई जाती है ये टेस्टी साबूदाना टिक्की रेसिपी।

नवरात्रि व्रत में लोग ज्यादातर फलाहार करने के लिए कुट्टू के आटे की पकौड़ी या आलू की सब्जी का सेवन करते हैं। लेकिन इस नवरात्रि अपने मुंह का जायका बदलने के लिए आप ट्राई करें टेस्टी साबूदाना टिक्की। ये चटपटी रेसिपी आपके उपवास को मजेदार बना देगी। इस रेसिपी की खासियत यह है कि इसमें साबूदाना का इस्तेमाल किया जाता है। साबूदाना न सिर्फ खाने में टेस्टी और हेल्दी होता है बल्कि यह पचने में हल्का भी होता है। तो आइए देर किस बात की जान लेते हैं कैसे बनाई जाती है ये टेस्टी साबूदाना टिक्की रेसिपी।

साबूदाना टिक्की बनाने के लिए सामग्री-

- साबूदाना 500ग्राम
- ऑयल डेढ़ कप
- उबला आलू 2
- हरी मिर्च 3
- धनिया पत्ता आधा कप
- सेंधा नमक स्वादानुसार
- लाल मिर्च पाउडर आधा छोटा चम्मच
- मूंगफली आधा कप

साबूदाना टिक्की बनाने का तरीका-

साबूदाना टिक्की बनाने के लिए सबसे पहले साबूदाना को अच्छी तरह धोकर 2 से 3 घंटे के लिए पानी में भिगोने के लिए रख दें। साथ ही दूसरी तरफ आलू भी उबालने के लिए रख दें। जब साबूदाना अच्छी तरह से भीगकर थोड़ा फूल जाए तो उसका पानी छानकर अलग कर लें। अब एक बड़े बर्तन में उबले हुए आलू लेकर उन्हें अच्छी तरह मैश कर लें। इसके बाद इसमें भूनी हुई कूटी मूंगफली, बारीक कटी हरी मिर्च, धनिया पत्ती, लाल मिर्च पाउडर, सेंधा नमक और भीगा हुआ साबूदाना अच्छी तरह मिला लें। अब कढ़ाई में तेल गर्म कर लें। अब साबूदाना और आलू के मिश्रण से बनी छोटी-छोटी टिक्की तेल में सुनहरी और कुरकुरी होने तक डीप फ्राइ करें। आप इन टिक्कियों को मूंगफली की चटनी या फिर दही के साथ भी गर्मा गर्म सर्व कर सकते हैं।

चीन में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा एक्शन; पूर्व मंत्री ने ली 7 अरब की रिश्वत, मिली सजा-ए-मौत

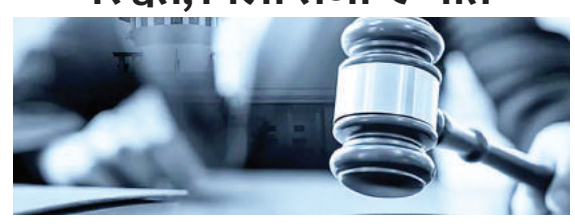

बीजिंग. चीन की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में चीन के एक पूर्व मंत्री को मौत की सजा सुनाई है। पूर्व मंत्री पर अपने पद का गलत इस्तेमाल करने और रिश्वत लेने का आरोप लगा था। चीन की अदालत में यह साबित हुआ कि पूर्व मंत्री ने पद पर बने रहने के दौरान भारतीय रुपये के हिसाब से करीब 7 अरब की रिश्वत ली थी। हालांकि मौत की सजा के क्रियान्वयन पर 2 साल की रोक रहेगी।

पहले भी दो वरिष्ठ अधिकारियों को एक अदालत ने भ्रष्टाचार और पद के दुरूपयोग के मामले में दंडित किया था। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के विरोधियों के एक समूह का नेतृत्व करने के आरोपी एवं जन सुरक्षा मामलों के पूर्व उप मंत्री सुन लिजुन को रिश्वत लेने के आरोपों में मौत की सजा सुनाई गई है। उन पर आरोप है कि वह शेयर बाजार को प्रभावित कर रहे थे और अवैध रूप से हथियार रखे हुए थे।

जिनपिंग के विरोधी रहे हैं सुन लिजुन : पूर्वोत्तर चीन में जिलिन प्रांत स्थित इंटरमेडिएट पीपुल्स कोर्ट ऑफ चांगचुन ने कहा कि सुन को उनके राजनीतिक अधिकार से भी वंचित कर दिया जाए और उनकी सारी निजी संपत्ति कुर्क कर ली जाए। सुन (53) पर एक विरोधी समूह का नेतृत्व करने और शी के प्रति निष्ठाहीन होने का आरोप है। खबर में कहा गया है कि भ्रष्टाचार के मामलों के आरोपी पांच पूर्व पुलिस प्रमुखों को इस हफ्ते की शुरूआत में जेल भेज दिया गया था।

2 और को मौत की सजा : अदालत ने एक शक्तिशाली पूर्व न्याय मंत्री फु जेंघुआ सहित दो वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों को मौत की सजा सुनाई थी। हालांकि, इसके क्रियान्वयन पर दो साल की रोक रहेगी। सरकार संचालित पीपुल्स डेली ऑनलाइन की खबर के मुताबिक, इसके कुछ ही घंटे बाद अदालत ने जियांग्सु के अधिकारी वांग लाइक को ऐसी ही सजा सुनाई। वह जियांग्सु प्रांतीय कमेटी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के पूर्व सदस्य हैं। अदालत ने कहा कि यह साबित हुआ है कि सुन ने 2001 से लेकर अप्रैल 2020 तक विभिन्न पदों पर रहने का फायदा उठाते हुए कुल 9.23 करोड़ डॉलर से अधिक धन और मूल्यवान वस्तुएं प्राप्त की।

वर्कआउट के लिए समय नहीं तो वीकेंड में करें ये 2 तरह के व्यायाम

हम में से अधिकांश लोग जानते हैं कि हमें नियमित रूप से कसरत करनी चाहिए। फिर भी अपनी व्यस्त दिनचर्या से इसके लिए समय निकालना अक्सर आसान नहीं होता है। अधिकांश लोग केवल सप्ताह के अंत पर ही व्यायाम कर पाते हैं।

अच्छी खबर यह है कि तथाकथित "सप्ताहांत योद्धा" (वे लोग जो सप्ताह में केवल दो दिन कसरत करते हैं) अभी भी नियमित व्यायाम से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ उठा सकते हैं, भले ही उनकी कसरत केवल सप्ताहांत में ही सीमित हों।

लेकिन यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि आप इन प्रशिक्षण सत्रों से अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए सही प्रकार के व्यायाम कर रहे हैं।

कार्डियो या प्रतिरोध व्यायाम?-

दो मुख्य प्रकार के व्यायाम हैं जिन्हें सभी को करना चाहिए।

पहला कार्डियो है, जो निश्चित रूप से एरोबिक व्यायाम को संदर्भित करता है - जैसे चलना, टहलना या साइकिल चलाना। कार्डियो उच्च रक्तचाप, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग जैसी कई स्वास्थ्य स्थितियों को रोकने और यहां तक कि उनका इलाज करने के लिए बहुत अच्छा है।

दूसरा प्रतिरोध व्यायाम है, जिसमें कोई भी गतिविधि शामिल है जहां शरीर या किसी विशेष मांसपेशी समूह को बाहरी बल के खिलाफ कार्य करने की आवश्यकता होती है - जैसे भारोत्तोलन या पाइलेट्स।

प्रतिरोध व्यायाम हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, और मांसपेशियों की ताकत, आकार या सहनशक्ति में सुधार कर सकता है। यह उम्र बढ़ने के दौरान हड्डी और मांसपेशियों के नुकसान की दर को भी धीमा कर देता है।

प्रतिरोध व्यायाम शरीर के वजन, रक्तचाप और टाइप 2 मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए भी बहुत अच्छा हो सकता है।

चूंकि इन दोनों प्रकार के व्यायामों के अलग-अलग लाभ हैं, इसलिए अच्छे स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए दोनों का संयोजन करना महत्वपूर्ण है। लेकिन वीकेंड का ही समय होने के कारण दोनों का सामंजस्य करने का विचार थोड़ा कठिन लग सकता है।

कार्डियो व्यायाम के लिए, एचआईआईटी (उच्च-तीव्रता अंतराल प्रशिक्षण) विशेष रूप से सप्ताहांत व्यायाम करने वालों के लिए उपयुक्त है।

एचआईआईटी कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य के लिए 30 मिनट के जॉग के समान लाभ देता है - लेकिन बहुत कम समय में। अध्ययनों से पता चला है कि एक मिनट के लिए चार से सात बार तीव्र व्यायाम करना, उसके बाद 60-75 सेकंड का आराम करना, फिटनेस और स्वास्थ्य में सुधार कर सकता है।

तो सिद्धांत रूप में, कम से कम आठ मिनट का एचआईआईटी आपके हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

लेकिन अपने सत्र से अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए, प्रतिरोध अभ्यास के साथ-साथ अपना एचआईआईटी अभ्यास महत्वपूर्ण है।

प्रतिरोध अभ्यास के दो मुख्य प्रकार हैं। पहला प्रकार बहु-संयुक्त अभ्यास (जैसे स्क्वाट या बेंच प्रेस) हैं, जो ताकत बढ़ाने के लिए प्रभावी हैं।

किसी विशेष मांसपेशी समूह के आकार को बढ़ाने की कोशिश करते समय एकल-संयुक्त व्यायाम (जैसे कि बाइसेप कर्ल) अधिक प्रभावी होते हैं।

आप जो अभ्यास करते हैं वह काफी हद तक आपके लक्ष्यों पर निर्भर करेगा। यदि आपका लक्ष्य वसा कम करना है, तो बहु-संयुक्त व्यायाम सबसे अच्छा हो सकता है क्योंकि वे अधिक कैलोरी जलाते हैं क्योंकि वे अधिक मांसपेशियों का उपयोग करते हैं।

इसी तरह, व्यायाम क्रम महत्वपूर्ण है। यदि मांसपेशियों का आकार बढ़ाना आपका लक्ष्य है, तो बहु-संयुक्त अभ्यासों से पहले एकल-संयुक्त अभ्यास करना जो समान मांसपेशी समूहों का उपयोग करते हैं, आपकी प्रगति में बाधा डाल सकते हैं। यदि आप ताकत बनाना चाहते हैं, तो आपके अभ्यास का क्रम मायने नहीं रखता।

सामान्य स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए, प्रमुख मांसपेशी समूहों (छाती, कंधे, पीठ, कूल्हे, पैर, हाथ और कोर) को लक्षित करते हुए ऊपरी और निचले शरीर के व्यायाम का संयोजन सबसे अच्छा है।

प्रत्येक मांसपेशी समूह के लिए, एक से तीन सेटों के बीच व्यायाम के आठ से 12 दोहराव करने का लक्ष्य रखें, सेट और व्यायाम के बीच दो से तीन मिनट आराम करें। आपको लक्ष्य दोहराव सीमा के लिए चुनौतीपूर्ण (लेकिन बहुत चुनौतीपूर्ण नहीं) वजन उठाने का लक्ष्य रखना चाहिए।

यदि आप जिम में और भी अधिक समय बचाना चाहते हैं, तो "सुपरसेट्स" आज़माएं। आठ से 12 पुनरावृत्तियों के लिए चुने हुए व्यायाम करें, फिर सीधे अपने दूसरे अभ्यास में जाएं। अपने शेष सेटों को दोहराने से पहले, एक से दो मिनट के लिए आराम करें। यह विधि सबसे अच्छा काम करती है जब दो व्यायाम विभिन्न मांसपेशी समूहों को लक्षित करते हैं।

अपना वर्कआउट डिजाइन करना-

आप अपने सप्ताहांत के वर्कआउट की संरचना कैसे करते हैं, यह काफी हद तक आपकी पसंद, आपके लक्ष्यों और आपके पास कितना समय है, इसपर निर्भर करता है। आप जो कुछ भी करते हैं, चोट से बचने के लिए एक अच्छा गतिशील वार्म-अप शामिल करना सुनिश्चित करें।

भारत में स्वच्छता क्रांति की निरंतरता- ओडीएफ से ओडीएफ प्लस तक

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

भारत ने 2014 में अपनी अभूतपूर्व स्वच्छता यात्रा शुरू की, क्योंकि खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) राष्ट्र बनाने के लिए सुसंगत और ठोस प्रयास शुरू किए गए। दुनिया में सबसे बड़े व्यवहार परिवर्तन कार्यक्रम के रूप में माना जाने वाले स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) ने प्रत्येक भारतीय गांव को एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रेरित किया और महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती यानि 2 अक्टूबर 2019 तक प्रत्येक ग्राम पंचायत ने श्रद्धांजलि के रूप में सभी के लिए शौचालय-सुविधा के साथ खुद को ओडीएफ घोषित किया। इसका प्रभाव सकारात्मक स्वास्थ्य परिणामों, आर्थिक और सामाजिक लाभों तथा महिलाओं के सशक्तिकरण के संदर्भ में दिखाई पड़ता है, जिनके माध्यम से बेहतर जीवन स्तर, महिलाओं के लिए आजीविका के अवसरों में वृद्धि और स्कूल में लड़कियों की बेहतर उपस्थिति का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

स्वतंत्र अध्ययनों से पता चलता है कि ओडीएफ क्षेत्रों में डायरिया रोग से पीड़ित बच्चों की संख्या काफी कम थी और गैर-ओडीएफ क्षेत्रों की तुलना में ओडीएफ क्षेत्रों के बच्चों में पोषण की स्थिति भी बेहतर थी। इस वर्ष हम एसबीएम के 8 वर्ष पूरे कर रहे हैं; तो प्रश्न उठता है कि ग्रामीण भारत में स्वच्छता आंदोलन के लिए आगे की योजना क्या है? माननीय प्रधानमंत्री ने 2019 में ही स्पष्ट कर दिया था कि हम केवल अपनी प्रशंसा पर खुश नहीं हो सकते। हमें, एक देश के रूप में, मानव विकास के हर क्षेत्र में हमेशा सर्वश्रेष्ठ और अग्रणी बनने का प्रयास करना चाहिए। इसलिए, ओडीएफ की उपलब्धि के बाद भारत सरकार ने ओडीएफ प्लस की यात्रा शुरू की, यानी ओडीएफ स्थिति को बनाए रखना, यह सुनिश्चित करना कि कोई पीछे न छूट गया हो और ठोस व तरल कचरे के प्रबंधन की एक पर्यावरण-अनुकूल प्रणाली स्थापित करना।

ओडीएफ प्लस के मानदंड हैं - स्वच्छता सार्वजनिक स्थानों का प्रत्यक्ष अवलोकन, मोबाइल ऐप के जरिये नागरिकों की प्रतिक्रिया, ग्राम स्तर पर प्रभावशाली व्यक्तियों से संग्रहित की गई फीडबैक और स्वच्छता मानदंडों पर सेवा स्तर की प्रगति। यह एसएसजी 2022 का तीसरा दौर है और इसकी रिपोर्ट 2 अक्टूबर 2022 को आयोजित होने वाले स्वच्छ भारत दिवस (एसबीडी) कार्यक्रम में जारी की जाएगी एवं इसके विजेताओं का सम्मान भी किया जायेगा। ओडीएफ प्लस इंडिया का उद्देश्य कठिन प्रतीत होता है तथा स्वच्छता एवं स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना हमेशा एक सतत गतिविधि बनी रहेगी। लेकिन, यदि इसे एक सामूहिक राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में लिया जाता है, तो भारत संपूर्ण स्वच्छता के अपने लक्ष्य को हासिल कर सकता है। ओडीएफ-प्लस का दर्जा प्राप्त करने और इसे बनाए रखने के लिए आइए इस 'जन-आंदोलन' को अब फिर से सशक्त व लोकप्रिय बनायें!

-विनी महाजन
सचिव, पेयजल और स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार।

भारत को बनाया जाए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य, अमेरिका के बाद रूस का भी समर्थन

• **जालंधर ब्रीज.** वर्ल्ड न्यूज

संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस ने फिर एक बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने के लिए भारत का समर्थन किया है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा, "हम अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों के प्रतिनिधित्व के माध्यम से सुरक्षा परिषद को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने की संभावना देखते हैं। विशेष रूप से भारत और ब्राजील को सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में जगह मिलनी चाहिए।"

इससे पहले 31 अन्य देशों के साथ भारत ने सुधारों पर एक संयुक्त बयान में कहा था कि स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में सुरक्षा परिषद का विस्तार होना चाहिए। साथ ही इसके काम करने के तरीकों में भी सुधार लाने की वकालत की गई थी।

जो बाइडेन ने भी किया था समर्थन : इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनाए जाने का समर्थन किया था। इस दौरान उन्होंने जापान और जर्मनी को भी स्थाई सदस्य बनाने की बात कही थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में संबोधन के दौरान भी उन्होंने सुरक्षा परिषद में सुधार की बात दोहराई थी। बाइडन ने कहा कि सुरक्षा परिषद को और समावेशी बनाया जाए, ताकि यह आज की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर सके।

भारत को बनाया जाए स्थायी सदस्य : बाइडेन - वीटो को लेकर उन्होंने कहा कि यह सिर्फ विशेष अथवा विषम परिस्थितियों में ही होना चाहिए, ताकि सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता और प्रभाव बना रहे। बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम पहले भी यह मानते थे और आज भी इस बात को मानते हैं कि भारत, जापान और जर्मनी को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाया जाना चाहिए।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनाए जाने का समर्थन किया था। इस दौरान उन्होंने जापान और जर्मनी को भी स्थाई सदस्य बनाने की बात कही थी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में जयशंकर ने आतंकवाद पर चीन को किया बेनकाब, पाकिस्तान को भी खूब सुनाया

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान का नाम लिए हुए बिना जमकर सुनाया। साथ ही उन्होंने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई में चीनी अड़ंगे के लिए ड्रैगन को बेनकाब किया। आपको बता दें कि चीन अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल कर अक्सर आतंकवादियों को संयुक्त राष्ट्र की ब्लैक लिस्ट में शामिल करवाने के भारत के प्रयास में टांग अड़ाता रहता है। जयशंकर ने कहा, 'जो भी देश घोषित आतंकवादियों की रक्षा के लिए यूएनएससी 1267 प्रतिबंध शासन का राजनीतिकरण करते हैं, वे अपने जोखिम पर ऐसा करते हैं।'

जयशंकर ने अपने संबोधन में कहा, "संयुक्त राष्ट्र अपराधियों पर प्रतिबंध लगाकर आतंकवाद का जवाब देता है। जो भी देश घोषित आतंकवादियों की रक्षा करने के लिए समय-समय पर यूएनएससी 1267 प्रतिबंध शासन का राजनीतिकरण करते हैं, वे अपने जोखिम पर ऐसा करते हैं। मेरा विश्वास कीजिए, वे न तो अपने हितों को आगे बढ़ाते हैं और न ही वास्तव में देश की प्रतिष्ठा को आगे बढ़ाते हैं। हमारे विचार में आतंकवाद के किसी भी कृत्य को कतई जायज नहीं ठहराया जा सकता है। कोई भी टिप्पणी, चाहे वह किसी भी मंशा से क्यों न की गई हो, कभी भी खून के धब्बे को ढक नहीं सकती।" आपको बता दें कि

उन्होंने पाकिस्तान की तरह चीन का भी नाम नहीं लिया।

जयशंकर ने कहा, "दशकों से सीमा पार आतंकवाद का खामियाजा भुगतने के बाद भारत 'जीरो टॉलरेंस' की नीति का वकालत करता है।" आपको बता दें कि यह पाकिस्तान और उसके सदाबहार सहयोगी चीन के खिलाफ परोक्ष रूप से जोरदार हमला था, जिसने कई मौकों पर भारत और उसके सहयोगियों द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के 1267 प्रतिबंध के दायरे में पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को लाये जाने के प्रस्तावों और कोशिशों को अवरुद्ध कर दिया। इस महीने, चीन ने लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी साजिद मीर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के लिए अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र में पेश किए गए और भारत द्वारा सह-समर्थित एक प्रस्ताव पर रोक लगा दी। मीर 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले मामले में वांछित है।

UNSC में सुधार प्रक्रियागत हथकंडों से अवरुद्ध नहीं होना चाहिए : जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि यूएनएससी में बेहद आवश्यक सुधारों पर बातचीत प्रक्रियागत हथकंडों से अवरुद्ध नहीं होनी चाहिए तथा इसका विरोध करने वाले सदस्य "हमेशा के लिए इस प्रक्रिया को रोक कर" नहीं रख सकते हैं। भारत अभी 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है और वह इस साल दिसंबर में अपना दो साल का कार्यकाल पूरा करेगा।

जयशंकर ने यूएनजीए के उच्च स्तरीय सत्र में कहा, "भारत बड़ी जिम्मेदारियां उठाने के लिए तैयार है लेकिन साथ ही वह यह सुनिश्चित करना चाहता है कि विश्व के एक हिस्से के साथ हुए अन्याय से निर्णायक रूप से निपटा जाए।" उन्होंने कहा, "हमारे कार्यकाल में हमने कुछ गंभीर लेकिन विभाजनकारी मुद्दों पर एक पुल के तौर पर काम किया है। हमने समुद्री सुरक्षा, शांति रक्षा तथा आतंकवाद से निपटने जैसे मुद्दों पर भी अपना ध्यान केंद्रित किया।"

विदेश मंत्री ने जोर दिया कि भारत यह मांग करता है कि सुरक्षा परिषद में सुधार के गंभीर मुद्दे पर गहन बातचीत होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "इसे प्रक्रियागत हथकंडों से अवरुद्ध न किया जाए। इसका विरोध करने वाले इस प्रक्रिया को हमेशा के लिए अवरुद्ध नहीं कर सकते हैं।"

विदेश मंत्री ने ठोका दावा : वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत ने अपने संबोधन के दौरान UNSC में सुधार की वकालत की है। जयशंकर ने कहा कि भारत अधिक जिम्मेदारियां लेने के लिए तैयार है। विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि इस तरह के एक महत्वपूर्ण मामले पर गंभीर बातचीत हो। इसमें किसी भी देश को बाधा नहीं बनना चाहिए।

चंडीगढ़ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रखा गया

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

शहीद भगत सिंह की जयंती पर, हवाई अड्डे पर आयोजित एक समारोह में चंडीगढ़ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में नामित किया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, माननीय राज्यपाल, पंजाब और चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित, मुख्यमंत्री, पंजाब भगवंत मान, माननीय उप मुख्यमंत्री, हरियाणा दुष्यंत चौटाला और माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, चंडीगढ़ से सांसद किरण खेर, गृह मंत्री, हरियाणा सरकार, अनिल विज की उपस्थिति में पट्टिका का अनावरण किया।

नामकरण समारोह के दौरान माननीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, "आजादी का अमृत महोत्सव आज देश के कोने-कोने में पहुंच रहा है। हर बार जब हम अपने माननीय स्वतंत्रता सेनानियों के चेहरे देखते हैं, हमारे सार्वजनिक भवनों पर उनके नाम देखते हैं, हम उनकी पीढ़ियों द्वारा किए गए बलिदानों को याद करते हैं। हम अपनी आजादी को हल्के में नहीं लेते हैं।"

बंडारू दत्तात्रेय राज्यपाल, हरियाणा और बनवारीलाल पुरोहित, राज्यपाल, पंजाब ने इस अवसर पर खुशी व्यक्त की और कहा कि शहीद भगत सिंह की मातृभूमि के प्रति सच्ची भक्ति हमेशा प्रेरणा बनी रहेगी।

उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए, माननीय जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, सड़क परिवहन और राजमार्ग और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री ने कहा कि माननीय प्रधान मंत्री द्वारा भगत सिंह के नाम पर चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नामकरण पूरे देश के लिए एक प्रतिष्ठित क्षण है। भगत सिंह देश के लाखों युवाओं के लिए एक प्रेरणा हैं और यह उनकी गौरवशाली स्मृति को एक उचित श्रद्धांजलि है। भगवंत मान, मुख्यमंत्री, पंजाब ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम शहीद भगत सिंह जी के नाम पर रखने के निर्णय का स्वागत किया।

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने प्रधानमंत्री के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को भगत सिंह के बलिदान और स्थापित मूल्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

चंडीगढ़ हवाई अड्डा भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के अंतर्गत आता है। चंडीगढ़ इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड, एएआई, पंजाब सरकार और हरियाणा सरकार का एक संयुक्त उद्यम सिविल एन्क्लेव का रखरखाव करता है। वर्तमान में, यह हवाई अड्डा देश में अहमदाबाद, बैंगलोर, चेन्नई, दिल्ली, गोवा, हैदराबाद, जयपुर, कांगड़ा, कोलकाता, कुल्लू, लेह, लखनऊ, मुंबई, पटना पुणे, श्रीनगर से जुड़ा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, यह शहर दुबई और शारजाह से जुड़ा हुआ है।

हवाई अड्डे ने वर्ष 2021-2022 में 17,936 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों और 2,271,233 घरेलू यात्रियों को सेवाएं प्रदान की। इसके अलावा, हवाई अड्डे ने वित्त वर्ष 2021-2022 में लगभग 11000 मीट्रिक टन घरेलू एयर कार्गो भी संभाला है।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 सितंबर 2022 को अपने मासिक मन की बात रेडियो प्रसारण के दौरान कहा था कि महान स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि के रूप में चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा और सरकार की गति इस बात से जाहिर होती है कि घोषणा के तीन दिन के भीतर ही आज वही मुकाम हासिल कर लिया गया है।

रोजाना 10 लाख आयुष्मान कार्ड बांटने का लक्ष्य... आरोग्य मंथन के उद्घाटन में बोले मनसुख मांडविया

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को बताया कि मोदी सरकार ने रोजाना 10 लाख आयुष्मान कार्ड वितरित करने का लक्ष्य रखा है।

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (ABPM-JAY) के तहत रोजाना 10 लाख आयुष्मान कार्ड वितरित करना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि अबतक योजना के तहत 3.95 करोड़ मरीजों के इलाज पर करीब 45,294 करोड़ रुपये खर्च हो चुका है।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना लागू करने के चार साल पूरे होने और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन शुरू होने के एक साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित आरोग्य मंथन-2022 का उद्घाटन करते हुए मंत्री ने बताया कि अबतक 19 करोड़ आयुष्मान लाभार्थी कार्ड बनाया गया है। मांडविया ने कहा, 'पहले रोजाना एक से डेढ़ लाख आयुष्मान कार्ड बनते थे, अब चार से पांच लाख कार्ड रोजाना बनते हैं। मेरा लक्ष्य रोजाना 10 लाख कार्ड बनाने का है।'

मनसुख मांडविया ने कहा कि आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत प्रत्येक जिले में 100 करोड़ रुपये का निवेश देश के स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। मंत्री ने ट्वीट किया, 'मंच से संबोधित करते हुए स्वास्थ्य को अधिक किफायती और सुलभ बनाने पर जोर दिया और एबीपीएम आरोग्य योजना एवं आयुष्मान भारत डिजिटल योजना को राज्यों और निजी साझेदारों के साथ मिलकर नयी ऊंचाई पर ले जाने का आह्वान किया।'

हैरतअंगेज! हाई कोर्ट ने ₹115 करोड़ जमा करने कहा था, आदेश की कॉपी से गायब कर दी यह लाइन, सुप्रीम कोर्ट ने दिया जांच का ऑर्डर

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

आपने एक-से-बढ़कर एक अनोखे अपराध के बारे में सुने होंगे, लेकिन यह मामला बिल्कुल अलहदा है। क्या आप कभी सोच सकते हैं कि कोर्ट रूम में जज कुछ फैसला सुनाएं और वो वादी-प्रतिवादी के पास पहुंचते-पहुंचते कुछ और हो जाए? ऐसा हुआ है मद्रास हाई कोर्ट के ऑर्डर के साथ। हाई कोर्ट के ऑर्डर की जो प्रमाणित कॉपी मुकदमा लड़ रहे दोनों पक्षों को दी गई, वो असली ऑर्डर से अलग थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस फर्जीवाड़े पर हैरानी जताई और बेहद गंभीरता से लिया है। देश की सर्वोच्च अदालत ने कहा कि यह बिल्कुल असामान्य स्थिति है। उसने मद्रास हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार से कहा है कि वो इस मामले की जांच करे और रिपोर्ट एक बंद लिफाफे में सौंपे।

सुप्रीम कोर्ट को दिखाईं दोनों कॉपियां

सुप्रीम कोर्ट के दो जजों जस्टिस अजय रस्तोगी और जस्टिस बीवी नागरत्न की बेंच ने हाई कोर्ट रजिस्ट्रा को जांच का ऑर्डर दिया है। हाई कोर्ट में दायर

संबंधित मुकदमे में एक पक्ष के वकील के सुब्रमणियन ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को ही बदल दिया गया। वकील ने सुप्रीम कोर्ट बेंच के सामने मद्रास हाई कोर्ट की दोनों कॉपियां पेश कीं- एक जो हाई कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की गई और दूसरी हाई कोर्ट की तरफ से मुहैया कराई गई सर्टिफाइड कॉपी। वकील ने शीर्ष अदालत से को बताया कि दोनों कॉपियों में कई महत्वपूर्ण अंतर हैं।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने वकील के दावे को सही पाया। उसने आदेश में कहा, 'याचिकाकर्ताओं की शिकायत के गुण-दोषों का आकलन करने से पहले इस मामले की हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के स्तर से जांच हो। प्रतिवादी भी हमारे सामने अपना पक्ष रख सकते हैं।' सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वो अगली सुनवाई में जांच रिपोर्ट पर विचार करेगी।

1 सितंबर को पारित हुआ था आदेश : ध्यान रहे कि मद्रास हाई कोर्ट ने 29 अगस्त को मामले की सुनवाई पूरी की थी और 1 सितंबर को ओपन कोर्ट में उसने आदेश पारित किया था। हाई कोर्ट ने ओपन कोर्ट में जो फैसला सुनाया था, उसे वेबसाइट पर अपलोड किया गया जिसे याचिकाकर्ता ने डाउनलोड किया। हालांकि, कुछ दिनों बाद वेबसाइट पर नई कॉपी अपलोड कर दी गई जो पहली वाली से इतर है। साथ ही, आदेश की सर्टिफाइड कॉपी भी पहले अपलोड की गई कॉपी से अलग है।

हाई कोर्ट के ऑर्डर में हुए बदलावों को सुप्रीम कोर्ट की नजर में लाते हुए वकील के सुब्रमणियन ने कहा कि दूसरे पक्ष को अन्नानगर के बैंक में 115 करोड़ रुपये जमा करवाने का निर्देश नई कॉपी से हटा दिया गया। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा, 'हमने आदेश की दोनों कॉपियां देखी हैं। कुछ पैराग्राफ साफ तौर पर गायब है जो अब हाई कोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध है।'

बदले जमाने में अपराध भी नए-नए : जिंदगी की राहों में जगह-जगह जोखिम हैं। फलसफा यह है कि जोखिम लिए बिना कुछ बड़ा तो नहीं पाया जा सकता है। संभावित परिणाम की कसौटी पर जोखिम को आंका जाता है और फिर तय होता है कि अमुक परिणाम के लिए इस स्तर का जोखिम उठाना उचित होगा या नहीं। आप सोच रहे होंगे कि ये सब सुनी-सुनाई बातें क्यों दोहराई जा रही हैं? वो इसलिए कि इसी फॉर्म्युले पर कई अपराधों को भी अंजाम दिया जाता है। अब सोचिए शासन-प्रशासन की हनक कितनी कम हो गई है कि लोग बड़ा से बड़ा और बिल्कुल नए-नए तरह के अपराध करने से भी नहीं चूक रहे। उन्हें लग रहा है कि ज्यादा से ज्यादा क्या होगा, अदालती कार्रवाई की औपचारिकता होगी। इस मामले में क्या सजा होती है, यह देखना होगा।

अश्वनी शर्मा ने सीएम द्वारा सदन में की गई असंवैधानिक कार्यवाही को बताया विधायी इतिहास का काला धब्बा

भगवंत मान को पत्र लिख कर सदन का हिस्सा ना बनने की दी जानकारी

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने मुख्यमंत्री भगवत मान को पत्र लिखकर सदन में आप सरकार के उपद्रवी विधायकों के क्रूर और असंसदीय तरीके से सबसे किए गए दुर्व्यवहार तथा माननीय राज्यपाल को सदन चलाने संबंधी दी गई गलत जानकारी पर भाजपा विधायकों द्वारा सदन में हिस्सा ना लेने की जानकारी दी है। शर्मा ने कहा कि एक मुख्यमंत्री के नाते भगवंत मान पंजाब में सरकार चलने में बिलकुल फेल साबित हुए हैं। अश्वनी शर्मा ने पत्र में कहा कि मुझे यह कहते हुए बहुत खेद हो रहा है कि आप न केवल राज्यपाल से झूठ बोलने वाले मुख्यमंत्री के रूप में अपने कर्तव्य में बुरी तरह विफल रहे हैं, बल्कि आप 27 सितंबर को सदन के नेता के रूप में भी विफल रहे, जहां आपने अपने उपद्रवी विधायकों को क्रूर और असंसदीय तरीके से सबसे दुर्व्यवहार करने की अनुमति दी। भगवंत मान द्वारा पवित्र सदन के पिछले दरवाजे के माध्यम से अपने असंवैधानिक बिजली, जीएसटी और पराली जलाने जैसे मुद्दों को सूचीबद्ध करके बुलाए गए सदन की झूठी जानकारी माननीय राज्यपाल को देकर से झूठ बोला और उन एजेंडो को छुपाते हुए सबसे पहले आपने सदन में 'विश्वास मत' प्रस्ताव लाकर संविधान की उलंघना करते हुए पंजाब की जनता के साथ भी धोखा किया है।

अश्वनी शर्मा ने कहा कि भगवंत मान द्वारा ऐसा किया जाना न केवल माननीय राज्यपाल के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है, पंजाब के संविधान, लोकतंत्र और लोगों के साथ भी विश्वासघात किया है। अश्वनी शर्मा ने भगवंत मान से कहा कि आप खुद आठ साल सांसद रहे हैं। आपने प्रतिनिधित्व भी किया और बाद में अपनी पार्टी के एकमात्र प्रतिनिधि भी रहे, लेकिन आपने कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं किया। सत्ताधारी पार्टी के किसी भी सांसद ने आपकी आवाज दबाने की कोशिश नहीं की। पंजाब विधानसभा में भी ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। मैं सत्र का बहिष्कार करने के लिए अपनी पार्टी के रुख को दोबारा दोहरा रहा हूं, क्योंकि हम सदन में असंवैधानिक कार्यवाही का हिस्सा नहीं बन सकते, जिसने पंजाब के विधायी इतिहास पर एक काला धब्बा लगा दिया है।

एसीपी निर्मल सिंह ने संभाला एसीपी सेंट्रल का चार्ज

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

लंबे समय से जालंधर में अपनी सेवाएं देने वाले एसीपी निर्मल सिंह ने गुरूवार को एसीपी सेंट्रल का चार्ज संभाल लिया। उन्होंने जनता से मांग की है कि सामाजिक सेवाएं निभाने वाली संस्थाएं उनका सहयोग करें। महानगर में गैर-कानूनी ढंग से जो लोग अवैध धंधे करते हैं, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गैर कानूनी धंधा करने वालों पर उनकी पूरी नजर रहेगी। क्राइम करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा उनकी पब्लिक से अपील है कि उनके आसपास के इलाके में कहीं भी कोई अवैध धंधा होता है तो उनसे संपर्क करें।

सीएमसीएच मीट : एमपी अरोड़ा ने सस्ती सर्जरी की आवश्यकता पर दिया जोर

• जालंधर ब्रीज.लुधियाना

संजीव अरोड़ा, मेंबर पार्लियामेंट (राज्यसभा) ने गुरुवार को क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (सीएमसीएच), लुधियाना में ग्लोबल सर्जरी इंडिया हब द्वारा आयोजित वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में भाग लिया। इस बैठक में, डॉक्टरों ने भारतीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर प्रतिक्रिया दी और सुझाव दिया कि ग्लोबल सर्जरी इंडिया हब भारत के साथ-साथ दुनिया भर में लोगों के लिए कैंसर देखभाल में सर्जिकल परिणामों में सुधार के लिए नीति और कार्यान्वयन के लिए अपने काम का अनुवाद करने की दिशा में कैसे काम कर सकता है। अपने संबोधन में अरोड़ा ने देश में मरीजों के लिए सस्ती सर्जरी उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि बेशक एक महंगी सर्जरी मरीज की जान बचा सकती है लेकिन साथ ही मरीज पर भारी कर्ज भी आ जाता है।

अरोड़ा ने उस शोध की भी सराहना की जो मरीजों पर और अधिक आर्थिक बोझ को कम करने के लिए महंगी दवाओं से बचाती है। उन्होंने कहा कि एक और पहलू पर भी काम करने की जरूरत है कि सर्जरी केवल उन्हीं मामलों में की जाए जहां मरीज के बचने की अधिकतम संभावना हो। उन्होंने कहा कि हमारे देश में सस्ती सर्जरी बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि एक सर्जन को सर्जरी के समय बहुत सावधान और सतर्क रहना चाहिए और अगर वह खुद को मन की स्थिति में नहीं पाता है तो बेहतर है कि वह इसे टाल दे या स्थगित कर दे। उन्होंने सुझाव दिया कि इस मामले पर भी गहन शोध किए जाने की जरूरत है

अक्तूबर में 10 दिवसीय दूसरा सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग कैंप, डीसी ने युवाओं से अधिक से अधिक लाभ लेने को कहा

• जालंधर ब्रीज.कपूरथला

डिप्टी कमिशनर कपूरथला विशेष सारंगल ने कहा कि जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो द्वारा 'मिशन सुनहरी शुरूआत' के तहत अक्तूबर से सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण कैंप का दूसरा बैच शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले बैच की सफलता के बाद डी.बी.ई.ई कपूरथला अक्तूबर महीने में दूसरा 10 दिवसीय सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग बैच शुरू कर रहा है, जिसमें युवा बीपीओ और आईटी सैक्टर की नौकरियों के इलावा अन्य क्षेत्र में विशेषज्ञों द्वारा दी जाने वाली कोचिंग से भाग लेंगे। डिप्टी कमिशनर ने कहा कि जिले के युवा अक्तूबर महीने में शुरू होने वाले दूसरे 10 दिवसीय सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग बैच के लिए https://tinyurl.com/bpojobsnewbatch लिंक पर कर सकते है और इसके लिए 9 अक्तूबर 2022 तक रजिट्रेशन करवाया जा सकता है। इस बारे में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो कपूरथला से विभिन्न सोशल मीडिया एवं व्हाट्सएप नंबर 9888219247 के माध्यम से संपर्क किया जा सकता है। बता दे कि अगस्त 2022 में पहले 10 दिनों के सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम बैच अधीन ट्रेनिंग प्राप्त प्रशिक्षणार्थियों ने जालंधर में आयोजित विशेष रोजगार कैंप में भाग लिया जहां जिले के युवाओं ने इंटरव्यू पास किया और कंपनियों में चुनाव के बाद उन्हें नौकरी प्रदान की गई।

महिला सशक्तिकरण में सर्व नौजवान सभा का योगदान प्रशंसनीय : डीके वर्मा

सोसवा के मैंबर डायरैक्टर ने वोकेशनल सेंटर का किया दौरा

• जालंधर ब्रीज़. जालंधर

पंजाब सरकार की कौशल विकास योजना के अन्तर्गत डिप्टी कमिशनर कपूरथला के निर्देशन में महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से सोसवा पंजाब के सहयोग से सर्व नौजवान सभा की ओर से सभा के अध्यक्ष सुखविंदर सिंह की देख रेख में संचालित किये जा रहे व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र का आज सोसवा पंजाब के मैंबर डायरैक्टर डीके वर्मा रिटा. मुख्य आयुक्त आबकारी विभाग ने दौरा किया। इस दौरान सभा के अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह और महासचिव डॉ. विजय कुमार ने उन्हें केंद्र की गतिविधियों की जानकारी दी और सर्व नौजवान सभा द्वारा किए जा रहे समाज सेवा कार्यों के बारे में भी बताया।

अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह ने केंद्र में पहले से चल रहे सिलाई, कटिंग, ब्यूटीशियन और कंप्यूटर कोर्स के अलावा बुजुर्गों और बीमारों के लिए होम केयरटेकर कोर्स शुरू करने की मांग भी उनके समक्ष रखी। मैंबर डायरैक्टर डीके वर्मा ने केन्द्र की व्यवस्थाओं को लेकर संतुष्टि व्यक्त करते हुए समाज सेवी गतिविधियों जैसे जरूरतमंद परिवारों की लड़कियों की शादी, पर्यावरण संरक्षण, नशीली दवाओं के खिलाफ सेमिनार, युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के प्रयास आदि की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प सीखकर लड़कियां स्वरोजगार कर सकती हैं। इस अवसर पर विशेष रूप से पहुंचे हुसन लाल महाप्रबंधक जेसीटी फगवाड़ा ने कहा कि समाज सेवा में व्यावसायिक शिक्षा एक महत्वपूर्ण परियोजना है, इसका अधिक से अधिक लाभ छात्राओं को लेना चाहिए। सभा की ओर से मैंबर डायरैक्टर वर्मा को समृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रबंधक सोसवा तरसेम गिल, सभा के उपाध्यक्ष रविंदर सिंह राय, लैक्चरार हरजिंद्र गोगना, मैडम पूजा सैनी, मैडम तनु, जगजीत सिंह सेठ, मैडम सुखजीत कौर, मैडम टीशा, अनूप दुग्गल, राज बसरा, नरिंद्र सैनी, रमेश धीर, राकेश कोचर, त्रिखा, हरकोमल, आफरीन, जसमीत रेखा, मीना रानी, सोनिया, संजना, किरण, सिमरन, कोमल, राजविंद्र, कुलदीप कौर, मीनाक्षी, हरमीत कौर, दीपिका, मोनिका शर्मा, अमरजीत कौर, हुस्नियारा, सुगंती, रीना, जैसमीन प्रिया, सोनिया रानी, अपर्णा, सोनम, महक, हिना, अंजलि, अनुराधा, वंदना, सुमन, तनु, अमन, आशा आदि मौजूद थे।

कॉलोनी में लोगों को आ रही समस्याओं के बारे में डीसी को अवगत करवाया

• जालंधर ब्रीज. जालंधर

महाराजा रणजीत सिंह रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी (रजिस्टर्ड) के एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्य प्रधान राकेश बहल, उप प्रधान सोनू वीरजी, महासचिव नवीन बुलंदी, कैशियर विनोद तलवार, जगदीश, परमजीत अथवा सरदार गुरुशरण सिंह कनविनिर इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग जॉइंट एक्शन कमेटी संयुक्त रुप से डीसी जालंधर जसप्रीत सिंह को कॉलोनी में लोगों को आ रही समस्याओं के बारे में अवगत करवाया गया। राकेश बहल ने डीसी जसप्रीत सिंह को कॉलोनी की समस्याओं की जानकारी देते हुए कहा कि कई बार कॉलोनी के सदस्यों द्वारा इंप्रूवमेंट ट्रस्ट अथवा पंजाब पुलिस के कर्मचारियों को इसके बारे अवगत कराया गया पर कोई संतोषजनक कार्यवाही नहीं हुई। डीसी जालंधर जसप्रीत सिंह ने कॉलोनी के मेंबर्स को यह विश्वास दिलाया कि वह जल्द ही संबंधित कर्मचारियों को साथ महाराजा रंजीत सिंह एवेन्यू में आएंगे अथवा वहां के लोगों को आने वाली समस्याओं का समाधान करवाएंगे।

इन-बिन लागू की जाए पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना : मेजर अमित सरीन

एडीसी ने शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों से की विस्तार से चर्चा, कहा- फ्रीशिप कार्ड वाले छात्रों से रजिस्ट्रेशन फीस नहीं ली जाए

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) मेजर अमित सरीन ने आज शैक्षणिक संस्थानों और संगठनों के प्रतिनिधियों से कहा कि जिले में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना को इन-बिन में लागू किया जाना चाहिए और यूनिवर्सिटी रेजिस्ट्रेशन शुल्क फ्रीशिप कार्ड धारक से नहीं लिया जाए। स्थानीय जिला प्रशासकीय परिसर में छात्र संघर्ष मोर्चा के सदस्यों सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों के अलावा शिक्षण संस्थानों के प्रिंसीपलों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान मेजर अमित सरीन ने कहा कि पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत सभी पात्र छात्रों का 10 अक्टूबर तक पोर्टल पर रेजिस्ट्रेशन करवाया जाए। कहा कि शिक्षण संस्थान अपने-अपने संस्थानों में शिकायत निवारण समिति का गठन करें ताकि छात्रों की शिकायतों का समुचित समाधान किया जा सके।

उन्होंने कहा कि यदि किसी शिकायत का समय पर समाधान नहीं होता है तो उसे प्रशासन के पास लाया जाए। मेजर अमित सरीन ने जिला सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता अधिकारी को शिकायत निवारण समितियों की मासिक रिपोर्ट भी प्राप्त करने का निर्देश दिया। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ने शिक्षण संस्थानों से कहा कि वे योजना के तहत आने वाले किसी भी छात्र की कोई डिग्री, प्रमाण पत्र या डीएमसी न रोके ताकि छात्रों को कोई असुविधा न हो। उन्होंने छात्रों से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया कि उनके खातों में प्राप्त छात्रवृत्ति सहायता की राशि भी संबंधित संस्थानों को दी जाए ताकि शिक्षण संस्थानों को कोई वित्तीय नुकसान न हो। मेजर अमित सरीन ने संस्थानों से कहा कि वे छात्रों को उनकी सुरक्षा वापस सुनिश्चित करें और इस संबंध में जिला प्रशासन को एक रिपोर्ट दें।

बैठक के दौरान छात्र संघर्ष मोर्चा के सदस्यों ने सरकारी और सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना को सुचारू रूप से लागू करने की सलाह दी। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के अलावा शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

पंजाब सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस 1 अक्तूबर को मनाया जायेगा

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब सरकार द्वारा अंतर राष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस 1 अक्तूबर, 2022 को गुरू नानक भवन लुधियाना में राज्य स्तरीय समागम के तौर पर मनाया जा रहा है। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर बतौर मुख्य मेहमान इस समागम में शामिल होंगे।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि इस मौके पर बुज़ुर्ग व्यक्तियों का आँखों का मुफ़्त चैकअप किया जायेगा और जरूरतमंद बुज़ुर्गों को ऐनकें भी मुफ़्त दीं जाएंगी। इसके इलावा बुढ़ापा पैंशन और अन्य वित्तीय सहायता स्कीमों के फार्म भरने और पैंशनें मंज़ूर करने के लिए भी विभाग की तरफ से कैंप लगाया जायेगा। 60 साल या इससे अधिक उम्र के बुज़ुर्ग व्यक्तियों के सीनियर सिटिजन कार्ड भी इस मौके पर बनाऐ जाएंगे। उन्होंने जरूरतमंद बुज़ुर्गों को इस मौके का लाभ प्राप्त करने के लिए समागम में पहुँचने की अपील की।

इस मौके पर सामाजिक सुरक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग की तरफ से पंजाब के बुज़ुर्गों के सम्मान के तौर पर सांस्कृतिक प्रोग्राम भी करवाया जा रहा है जिसमें बुज़ुर्गों की तरफ से पेशकारी की जायेगी। बुज़ुर्ग व्यक्तियों की भलाई के क्षेत्र में काम कर रही संस्थाएं/जत्थेबन्दियां भी इस समागम में विशेष के तौर पर शामिल होंगी।

कैबिनेट मंत्री जिम्पा ने 'मेरा घर मेरे नाम' योजना का किया शुभारंभ

होशियारपुर में लाल लकीर में रहने वाले लोगों को मालिकाना हक पाने का मार्ग प्रशस्त हुआ

• जालंधर ब्रीज.होशियारपुर

कैबिनेट मंत्री ब्रह्मशंकर जिम्पा ने आज गांव शेरगढ़ से 'मेरा घर मेरे नाम' योजना की शुरुआत करते हुए जिले में लाल लकीर में रहने वाले लोगों को मालिकाना हक देने का मार्ग प्रशस्त करते हुए होशियारपुरवासियों को बड़ी सौगात दी। ड्रोन के माध्यम से इस योजना का उद्घाटन करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान के नेतृत्व में राज्य सरकार लोगों को हर सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य के सर्वांगीण विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार की इस महत्वपूर्ण और बड़ी पहल से जिले में लाल लकीर के भीतर रहने वाले लोगों को मालिकाना हक का अधिकार मिलने से काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा कि ये लोग लंबे समय से बड़ी समस्याओं का सामना कर रहे थे, लेकिन अब मालिकाना हक मिलने के बाद इनकी सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत उनका प्रापर्टी कार्ड बनेगा, जिससे वे आसानी से कर्ज व अन्य सुविधाओं और योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से डीसी संदीप हंस के नेतृत्व में इस योजना का लाभ पूरे जिले में लाल लकीर के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों के सभी योग्य लाभार्थियों को देने और इसे अमल में लाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस कार्य को और बेहतर तरीके से करने के लिए जिला राजस्व अधिकारी गुरमीत सिंह मान को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इस मौके पर मेयर सुरिंदर कुमार, सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीण सैनी, जिला राजस्व अधिकारी गुरमीत सिंह मान, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नीरज कुमार, बीडीपीओ-2 सुखदेव सिंह, तहसीलदार हरकरम सिंह, सरपंच गुरमीत कौर समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

वीपीडी सर्वेलेंस के तहत सेहत विभाग द्वारा वर्कशाप का आयोजन

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

सिविल सर्जन डॉ. रमन शर्मा जी के दिशा-निर्देशों के तहत वेक्सीन प्रीवेंटेबल डिजीज (वीपीडी) सर्वेलेंस के तहत बच्चों को होने वाली खतरनाक बिमारियों से बचाव क लिए सेहत विभाग द्वारा गुरूवार को अलग-अलग ब्लाकों व अर्बन डिस्पेंसरीज़ के रूटीन इम्यूनाईजेशन से संबंधित नोडल अफसरों के लिए वर्कशाप का आयोजन किया गया।

वर्कशाप की अगुवाई करते हुए जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राकेश चोपड़ा ने बताया कि सेहत विभाग द्वारा 2023 तक खसरे के बिमारी को खत्म करने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने सेहत स्टाफ को बच्चों को होने वाली खतरनाक बिमारी जैसे गलघोटू, पोलियो, तपेदिक, खसरा, काली खांसी, न्यूमोकोकल, टेटनस, डायरिया, हैपेटाईटस-बी, रुबेला आदि बीमारियों से बचाव के लिए सर्वे तेज करने पर जोर दिया गया।

वर्कशाप के दौरान सर्वेलेंस मेडीकल अफसर डॉ. गगन शर्मा द्वारा कहा गया कि बच्चों को होने वाली खतरनाक बीमारियों वाले लक्ष्णों से संबंधित कोई भी बच्चा मिलता है तो उसके तुरंत सेंपल लेकर पीजीआई व कुराली भेजे जाएं। इसके साथ ही संबंधित क्षेत्र में वेक्सीनेशन अभियान चलाकर बच्चों को इन बिमारियों से सुरक्षित किया जाए।

सूर्यकुमार एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली. मैदान के हर कोने में शॉट खेलने की क्षमता रखने वाले सूर्यकुमार यादव टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी एक कैलेंडर साल में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। पिछले कुछ समय से भारत के सर्वश्रेष्ठ टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज बन कर उभरे सूर्यकुमार के नाम पर एक कैलेंडर वर्ष में अब 732 रन दर्ज हैं। उन्होंने इस मामले में सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को पछाड़ा जिन्होंने 2018 में 689 रन बनाये थे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के शुरूआती टी20 अंतरराष्ट्रीय में तिरुवनंतपुरम में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक

फोटो-बीसीसीआई

खेलने वाला यह बल्लेबाज खेल के छोटे प्रारूप में 1000 रन के आंकड़े से महज 24 रन दूर है। इस साल उनका स्ट्राइक रेट 180.29 का रहा है जबकि 32 मैचों में उनके करियर का स्ट्राइक रेट 173.35 का रहा है। वह इस प्रारूप में 57 छक्के और 88 चौके लगा चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार जब वह क्रीज पर उतरे उस समय भारतीय टीम पावर प्ले में दो विकेट पर 17 रन बनाकर मुश्किल में थी।

उन्होंने अपनी पारी की शुरुआती तीन गेंदों में से दो पर छक्का जड़कर टीम को दबाव से बाहर निकाला और 33 गेंद की आक्रामक पारी में नाबाद 50 रन बनाकर भारत को जीत दिलायी। पारी की शुरुआत में दो छक्कों के साथ, सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान को भी पीछे छोड़ दिया और टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया। रिजवान ने 2021 में 42 छक्कों का रिकॉर्ड बनाया था। मार्टिन गुप्टिल ने भी उसी वर्ष 41 छक्के लगाए थे। सूर्यकुमार के नाम अब 45 छक्के हो गये हैं और इस साल भारत को अभी कई और टी20 मुकाबले खेलने है। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर है।

अकाली दल (यूनाइटेड) युवा विंग के अध्यक्ष मनप्रीत सिंह 'आप' में शामिल

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

इस साल के अंत में पंजाब में होने वाले नगर निगम चुनावों के लिए आम आदमी पार्टी (आप) खुद को लगातार मजबूत कर रही है। 'आप' को उस समय बड़ी मजबूती मिली, जब लुधियाना के पूर्व जिला परिषद सदस्य मनप्रीत सिंह तलवंडी को पार्टी के प्रदेश महासचिव हरचंद सिंह बरसट व हरभूपिंदर सिंह धरौड़ जिला अध्यक्ष लुधियाना (देहाती) ने पार्टी में शामिल करवाया। मनप्रीत सिंह शिरोमणि अकाली दल (यूनाइटेड) युवा विंग के मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। वह लुधियाना के रायकोट निर्वाचन क्षेत्र के तलवंडी राय से है।

जन्मदिन मुबारक

किआरा कोठरी पोत्री बलवंत सिंह, केंद्रीय सदन, जालंधर।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.